Daily Gospel Reflections in Hindi

25 September 2019

मत्ति 21 : 18 - 22

Whatever you ask for in prayer with faith, you will receive

यहूदियों को यह स्वीकार नहीं था कि मसीह उन्हें बचाने के बदले उन्हें श्राप दे। यह सुसमाचार घटना दो बातों को सामने रखते हैं

1. कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। यह घटना यहूदियों की दुर्दशा को दर्शाते हुए पवित्र मंदिर में रहनेवालों को पवित्र होने के लिए येसू मसीह चेतावनी देते हैं। हमें भी पवित्र रहना है। पवित्रता के साथ जीवन जीना भी है।

2. प्रार्थना की शक्ति से विश्वास को बढ़ाना है। ये घटना के द्वारा येसू मसीह अपने शिष्यों से प्रार्थना की शक्ति और विश्वासभरी जीवन के बारे में समझाते हैं।

आज हमारे जीवन में भी विश्वास एक वरदान है। यह विश्वास रूपी वरदान कलीसिया के लोगों एवं बाकी लोगों के लिए एक मार्गदर्शन का राह बन गये है। प्रभु हमें कृपा दे कि हम विश्वास में आगे बढ़ सकें।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019